वास्तु ऐवम पुजा के लिए जरूरी बाते

१. घर में सुबह सुबह कुछ देर के लिए भजन अवशय लगाएं ।

२. घर में कभी भी झाड़ू को खड़ा करके नहीं रखें, उसे पैर नहीं लगाएं, न ही उसके ऊपर से गुजरे अन्यथा घर में बरकत की कमी हो जाती है। झाड़ू हमेशा छुपा कर रखें |

३. बिस्तिर पर बैठ कर कभी खाना न खाएं, ऐसा करने से बुरे सपने आते हैं।

४. घर में जूते-चप्पल इधर-उधर बखिेर कर या उल्टे सीधे करके नहीं रखने चाहिए इससे घर में अशांति उत्पन्न होती है।

५. पूजा सुबह 6 से 8बजे के बीच भूमि पर आसन बिछा कर पूर्व या उत्तर की ओर मुंह करके बैठ कर करनी चाहिए । पूजा का आसन जुट अथवा कुश का हो तो उत्तम होता है |

६. पहली रोटी गाय के लिए निकालें । इससे देवता भी खुश होते हैं और पितिरों को भी शांति मिलिती है |

७.पूजा घर में सदैव जल का एक कलश भरकर रखें जो जितिना संभव हो ईशान कोण के हिस्से में हो |

८. आरती, दीप, पूजा अग्नि जैसे पवित्रिता के प्रतीक साधनों को मुंह से फूंक मारकर नहीं बुझाएं।

९. मंदिर में धूप, अगरबत्ती व हवन कुंड की सामग्री दक्षिण पूर्व में रखें अर्थात आग्नेय कोण में |

१०. घर के मुख्य द्वार पर दायीं तरफ स्वास्तिक बनाएं।

११. घर में कभी भी जाले न लगने दें, वरना भाग्य और कर्म पर जाले लगने लगते हैं और बाधा आती है |

१२. सप्ताह में एकबार जरुर समुद्री नमक अथवा सेंधा नमक से घर में पोछा लगाएं | इससे नकारात्मक ऊर्जा हटती है |

१३. कोशिश करें की सुबह के प्रकाश की किरिने आपके पूजा घर में जरुर पहुचे सबसे पहले |

१४. पूजा घर में अगर कोई प्रतिष्ठित मूरती है तो उसकी पूजा हर रोज निश्चित रूप से हो ऐसी व्यवस्था कर.